

आतंचन पुं. (तत्.) 1. जामन 2. दही 3. दूध जमाने के लिए जामन देना 4. रक्त का थक्का बनना या जमना coagulation

आत पुं. (तद्.) शरीफा, सीताफल।

आतत वि. (तत्.) 1. फैला हुआ 2. फैलाया हुआ 3. खिँचा हुआ 4. खीँचा हुआ 5. तना हुआ 6. ताना हुआ।

आतताई पुं. (तत्.) दे. आततायी।

आततायी पुं. (तत्.) 1. अत्याचारी 2. हत्यारा 3. दारुण अपराध करने वाला 4. क्रूर व्यक्ति।

आतनन पुं. (तत्.) 1. फैलाने का भाव या क्रिया 2. खींचने का भाव अथवा क्रिया, तानने का भाव अथवा क्रिया।

आतनिक वि. (तत्.) 1. तनाव से युक्त 2. आकांक्षावान 3. उत्तेजित 4. व्याकुल।

आतप पुं. (तत्.) 1. धूप, गरमी, घाम 2. ज्वर, बुखार।

आतपता स्त्री. (तत्.) ताप, गर्मी, ऊष्मा।

आतप-पति पुं. (तत्.) सूर्य, प्रभाकर, रवि।

आतपत्र पुं. (तद्.) 1. राजा का छत्र 2. वर्षा अथवा धूप आदि से बचने वाला छाता या छतरी।

आतपन पुं. (तत्.) शिव।

आतप-स्नान पुं. (तत्.) स्वास्थ्यबर्धन के लिए प्रातःकालीन धूप से संपूर्ण शरीर में धूप दिखाना, सूर्य स्नान, धूप स्नान sunbath

आतपहर वि. (तत्.) ताप अथवा गर्मी को दूर करने वाला।

आतपात्यय पुं. (तत्.) [आतप+अत्यय] 1. धूप का अभाव 2. गर्मी का अभाव।

आतपी पुं. (तत्.) सूर्य। वि. (तत्.) धूप संबंधी।

आतपीय वि. (तत्.) सूर्य के ताप से संबंधित, धूपवाला।

आतपोदक पुं. (तत्.) मृग-तृष्णा, (धूप की गर्मी में दिखने वाला मिथ्या जल)।

आतम वि. (तद्.) आत्म, अपना, निज का।

आतमा स्त्री. (तत्.) दे. 'आत्मा'।

आतर्पण पुं. (तत्.) तृप्ति, संतुष्टि।

आतश स्त्री. (फा.) आग, अग्नि, आतिश।

आतशक स्त्री. (फा.) फिरंग नामक जननेंद्रिय का रोग, उपदंश, गरमी की बीमारी।

आतशकी वि. (अर.) आतशक रोग से संबंधित, जननेंद्रिय में होने वाले रतिज रोग से संबंधित।

आतशखाना पुं. (फा.) 1. आग रखने का स्थान 2. आग लगाने वाली वस्तुओं को रखने का स्थान 3. अग्निपूजकों (पारसियों) का अग्नि-मंदिर।

आतशगाह पुं. (फा.) दे. आतशखाना।

आतशजदगी स्त्री. (फा.) आग लगाने का काम करना।

आतशजनी स्त्री. (फा.) आग लगाना।

आतशबाज पुं. (फा.) 1. आतिशबाजी बनाने वाला 2. आतिशबाजी करने या चलाने वाला।

आतशबाजी स्त्री. (फा.) 1. बास्द भरकर बनाए हुए पटाखे (फुलझड़ी, चर्खी, अनार आदि) 2. उक्त पटाखों को जलाना।

आतशी वि. (फा.) 1. आतिशबाजी बनाने वाला 2. आतिशबाजी करने या चलाने वाला 3. अग्नि-संबंधी 4. आग पैदा करने वाला।

आतशी शीशा पुं. (फा.) सूर्य किरणों को एकत्र कर आग पैदा करने वाला शीशा।

आतस स्त्री. (फा.) (आतश) आग, अग्नि।

आता-जाता वि. (देश.) आने-जाने वाला, इधर-उधर जाने वाला।

आतापि पुं. (तत्.) एक असुर जिसे अगस्त्य मुनि ने खा डाला था टि. आतापि-वातापि दो भाई थे, आतापि का एक नाम इल्वल भी था, अगस्त्य ने दोनों का नाश किया था।

आतापी पुं. (तत्.) चील पक्षी वि. (तद्.) धूर्त, चालाक।